K-808

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-607

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester, Examination 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. वृहत्पराशरहोराशास्त्र ग्रन्थ के अनुसार सूर्य-चन्द्र एवं भौम महादशा फल विचार का उल्लेख कीजिए।

2. सूर्य की दशा में चन्द्रादि समस्त ग्रहों का प्रत्यन्तर फल लिखिए।

3. प्राण दशा से क्या समझते हैं? शनि ग्रह का अन्य सभी ग्रहों में प्राण दशा का फल लेखन करें।

4. फलित ज्योतिष में सात्विक गुण फल का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

5. पल्लीपतन विचार का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अग्नि पुराणोक्त स्वप्न का शुभाशुभ फल लिखिए।

2. शकुन के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

3. सोदाहरण अन्तर्दशा साधन विधि लिखिए।

4. रूचक आदि योगों का वर्णन कीजिए।

5. पंचमहाभूत फल विचार का उल्लेख करें।

6. ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार शुभाशुभ स्वप्न फल का लेखन कीजिए।

7. ज्योतिषशास्त्र में दशाओं की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

8. संहिता ज्योतिष का परिचय दीजिए।